स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स बर्ड्स

प्रलिमि्स के लयि:

स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स बर्ड्स

मेन्स के लयि:

संरक्षण, सरकारी नीतयिाँ और हस्तक्षेप

चर्चा में क्यों?

'स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स बर्ड्स' की नई समीक्षा के अनुसार दुनयिा भर में मौजूदा पक्षी प्रजातयिों की आबादी में लगभग 48% की गरिावट हुई है या होने का संदेह है।

- स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स बर्ड्स पर्यावरण संसाधनों की वार्षकि समीक्षा है।
- चूँकि पक्षी अत्यधकि दृश्यमान और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के संवेदनशील संकेतक होते हैं, अतः इनका नुकसान जैव ववििधिता के व्यापक नुकसान तथा मानव स्वास्थ्य एवं कल्याण हेतु खतरे का संकेत देता है।

समीक्षा के प्रमुख बदिु:

- **परचिय:**
  - **समग्र:**
    - प्राकृतकि दुनयिा और जलवायु परविर्तन पर मानव फुटप्रटि के बढ़ते प्रभाव के कारण को **पक्षयिों की 10,994 मान्यता प्राप्त मौजूदा प्रजातयिों में से लगभग आधे पर** संकट के लयि ज़म्मिेदार ठहराया गया है।
    - लगभग 4,295 या 39% प्रजातयिों में जनसंख्या रुझान स्थरि थे, वहीं 7% या 778 प्रजातयिों में जनसंख्या की प्रवृत्तबिढ़ रही थी, जबकि 37 प्रजातयिों की जनसंख्या प्रवृत्तअज्ञात थी।
    - अध्ययन ने सभी वैश्वकि पक्षी प्रजातयिों के रुझानों में परविर्तन को प्रकट करने के लयि प्रकृतकिी लाल सूची के संरक्षण के लयि अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ **(IUCN)** के डेटा का उपयोग कर एवयिन जैव ववििधिता में परविर्तन की समीक्षा की।
  - **भारत:**
    - **भारत में** पक्षयिों की ववििधिता में गरिावट की प्रवृत्तउतनी ही चतिाजनक है, जहाँ हाल ही में **146 प्रजातयिों के लयि वार्षकि रुझानों की गणना** की गई है।
      - इनमें से लगभग 80% पक्षयिों की संख्या में गरिावट आ रही है और लगभग 50% में तीव्र स्तर की गरिावट देखी गई हैं।
      - अध्ययन की गई 6% से अधकि प्रजातयिाँ स्थरि आबादी को दर्शाती हैं तथा 14% बढ़ती जनसंख्या प्रवृत्तयिों को दर्शाती हैं।
    - सबसे अधकि संकटग्रस्त प्रजातयिों में स्थानकि प्रजातयिाँ, शकिार के पक्षी, जंगलों और घास के मैदानों में रहने वाली प्रजातयिाँ शामलि थीं।
- **गरिावट का कारण:**
  - प्राकृतकि आवासों का ह्रास तथा साथ ही कई प्रजातयिों का प्रत्यक्ष अतदिोहन पक्षी जैव ववििधिता के लयि प्रमुख खतरे हैं।
    - जीवति पक्षी प्रजातयिों में से 37% का सामान्य या वदिेशी पालतू जानवरों के रूप में तथा 14% भोजन के रूप में उपयोग प्रत्यक्ष रूप से अतशिोषण के उदाहरण हैं।
  - साथ ही मनुष्य द्वारा वशि्व के पक्षयिों की जीवति प्रजातयिों का 14% हस्सिा भोजन के रूप में प्रयोग कयिा जाता है।
  - उष्णकटबिंधीय वनों के अलावा उत्तरी अमेरकिा, यूरोप और भारत के लयि प्राकृतकि घास के मैदानों का खतरा वशिेष रूप से चतिाजनक रहा है।

सुझाव:

- जनसंख्या बहुतायत और परिवर्तन के विश्वसनीय अनुमानों का संचालन करना।
- अनुपयुक्त तरीके से लागू किये जाने पर पक्षियों को प्रभावित कर सकने वाले हरित ऊर्जा संक्रमण की निगरानी करना।
- आक्रामक विदेशी प्रजातियों की आबादी का उन्मूलन।
- मानव समाज को आर्थिक रूप से सतत् विकास पथ पर स्थानांतरित करना।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/state-of-the-world-s-birds